University in News on 16 January 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

जैव विविधता व वन्यजीव प्रबंधन सीखेंगे लखनऊ विवि के विद्यार्थी

प्राणि विज्ञान विभाग ने पीजी कोर्स में शामिल किया नया पेपर, बीओएस में मिली मंजूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग में परास्नातक के विद्यार्थी जैव विविधता एवं वन्यजीव प्रबंधन के बारे में भी अध्ययन कर पाएंगे। इसके लिए विभाग ने कोर्स में नया पेपर शामिल किया है। इसे विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) की बैठक से मंजूरी भी मिल गई है। अब फैकल्टी बोर्ड और एकेडमिक काउंसिल से पास होना शेष है।

विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि बीओएस की बैठक में एक वर्षीय परास्नातक के कोर्स को अनुमोदन देने के साथ ही दो वर्षीय परास्नातक कोर्स के पुनर्गठन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी गई। सत्र 2025-26 से इन कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी।

उन्होंने बताया कि अब से विद्यार्थी चार वर्षीय स्नातक (बीएससी) के सातवें सेमेस्टर में छह विषयों में विशेषज्ञता हासिल कर पाएंगे। अभी तक यह प्राविधान एमएससी कोर्स में ही था। विद्यार्थी विषम सेमेस्टर में एक थ्योरी पेपर पढ़ने के साथ ही प्रयोगात्मक परीक्षा भी देंगे। जिन छह विषयों (इलेक्टिव पेपर) में विशेषज्ञता शुरू करने पर विचार कर निर्णय लिया गया है, उनमें मत्स्य विज्ञान और प्रबंधन, कीट विज्ञान, परजीवी अध्ययन, मॉलीकुलर विज्ञान, एंडोक्रिनोलॉजी एवं प्रजनन विज्ञान व वन्यजीव प्रबंधन विज्ञान शामिल है।

विद्यार्थी विशेषज्ञता अध्ययन के लिए इनमें से किसी भी एक विषय का चुनाव कर सकते हैं।

शैक्षिक भ्रमण से लौटे छात्र : प्राणी विज्ञान विभाग के छात्रों का दल नौ दिवसीय शैक्षिक टूर सफलतापूर्वक पूरा कर बुधवार को विश्वविद्यालय लौट आया। ओडिशा और वेस्ट बंगाल गए विद्यार्थियों ने वहां तमाम रोमांचक गतिविधियां देखने के साथ ही उनका अध्ययन किया। छात्रों ने ओडिशा के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवाटर एक्वाकल्चर में ऑर्गेनिक मछली पालन सीखा। नंदन कानन प्राणी उद्यान भुवनेश्वर में जंगल सफारी और कोणार्क सूर्य मंदिर के इतिहास को जानने के साथ लिंगराज महादेव मंदिर में दर्शन भी किया। उन्होंने सुंदरवन के डेल्टा की भी जानकारी प्राप्त की।

विश्वविद्यालय की एकेडमिक काउंसिल से पास होने के बाद होगा लागू

बीए एआईएच सातवें सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के क्रम में बुधवार को चार वर्षीय स्नातक में बीए एआईएच के सातवें सेमेस्टर का परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया। विद्यार्थी लखनऊ विवि की वेबसाइट पर विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम देख सकते हैं। परीक्षा विभाग ने एमएजेएमसी सहित चार विषयों का बदला हुआ परीक्षा कार्यक्रम भी जारी किया है।

परीक्षा विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम में बीए एआईएच सातवें सेमेस्टर की परीक्षा 21 से 31 जनवरी तक कराई जाएगी। एमएजेएमसी तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 29 जनवरी और पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 25 जनवरी के बीच कराना प्रस्तावित है। एमए उर्दू, एमए संस्कृत तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 से 29 जनवरी और पहले सेमेस्टर की 13 से 25 जनवरी के बीच होंगी। वहीं, बीवॉक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की परीक्षा 20 से 27 जनवरी तक होंगी। (संवाद)

लविवि प्राकृतिक चिकित्सा व योग में ताजिकिस्तान को देगा सहयोग

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय योग व प्राकृतिक चिकित्सा में ताजिकिस्तान के साथ सहयोग बढ़ाएगा। इसके लिए ताजिकिस्तान गए लविवि के प्रतिनिधिमंडल ने वहां के दो चिकित्सा विश्वविद्यालयों इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे और मेडिकल यूनिवर्सिटी ख़फलन के साथ एमओयू किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और वहां के संस्था प्रमुख ने सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर इसे विधिक स्वरूप प्रदान किया।

कुलपति ने बताया कि यह समझौता लविवि और ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय के बीच नए युग की शुरुआत करेगा। हम दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमओयू के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय शैक्षिक कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे और एक-दूसरे के विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। कहा कि हम अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग कर एक-दूसरे के साथ ज्ञान साझा करेंगे। एक-दूसरे के विद्यार्थियों को अपने यहां अध्ययन करने का अवसर भी देंगे। ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेक्टर प्रो. गुलजोदा मोहम्मद शाह कुर्बान अली ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराएं काफी रोचक और गूढ़ हैं और हमारा समझौता ज्ञापन भविष्य में चिकित्सा विज्ञान में नई संभावनाओं को जन्म देगा।

कुलपति ने दो चिकित्सा विवि के साथ किया एमओयू

लविवि के कुलपति आलोक राय ने ताजिकिस्तान स्टेट चिकित्सा यूनिवर्सिटी से करार। -स्रोत विवि

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू छात्रों ने मछली पालन सीखा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 प्राणिशास्त्र विभाग के छात्रों ने आर्गेनिक मछली पालन का तरीका सीखा। कोणार्क स्थित सूर्य मंदिर और कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल, साइंस सिटी व बेलूर मठ के इतिहास को जाना। छात्रों ने डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ. परमजीत सिंह और डॉ. हादिया हुसैन की अगुवाई में नौ दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण में जानकारी हासिल की।

शोध विषयों की पुनरावृत्ति न करने के निर्देश

लखनऊ। एलयू के प्राणिशास्त्र विभाग में बीते दिनों रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई। जिसमें एलयू और कॉलेजों के शोधार्थियों ने शोध प्रगति प्रस्तुत किया। जिसमें कमेटी के सदस्यों ने शोधार्थियों को कई निर्देश दिए। कुछ के शोध का विषय ऐसा निकला जिन पर पहले शोध हो चुके हैं। कई शोधार्थियों के शोध विषय गलत पाए गए। कमेटी ने निर्देश दिए कि विषयों की पुनरावृत्ति न करें।

एलयू में शिक्षकों ने पतंग उड़ाकर संक्रांति मनाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों ने पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति मनाई। परजांगे मैदान में शुरुआत प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना के पहली पतंग उड़ाने से हुई। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। पतंगबाजी के साथ प्रतिभागियों ने मकर संक्रांति से जुड़ी पारंपरिक मिठाइयों का आनंद लिया।

एलयू ने दो चिकित्सा विवि संग किया एमओयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब तजाकिस्तान में योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देगा। इसके लिए एलयू प्रतिनिधिमंडल ने दो चिकित्सा विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया है। जिस पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संस्था प्रमुख ने हस्ताक्षर किए। इनमें इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे और मेडिकल यूनिवर्सिटी खफलन शामिल हैं।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में बनेगा एस्ट्रोनामी रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर

सेंटर के लिए इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार एस्ट्रोनामी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आइयुका) ने किया लवि का चयन

अखिल सक्सेना • जागरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार एस्ट्रोनामी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आइयुका) पुणे के सहयोग से जल्द ही सेंटर फार एस्ट्रोनामी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आइकार्ड) की स्थापना की जाएगी। इसमें नक्षत्र विज्ञान से संबंधित शोध किए जाएंगे। आकाश गंगा के अंदर तारों की रचनाएं, राशि, सूर्य की गतिविधियों से लेकर तमाम रोचक जानकारियों का अध्ययन होगा। इस सेंटर के लिए आइयुका ने लखनऊ विश्वविद्यालय को चुना है।

दरअसल, खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने वर्ष 1989 में पुणे में आइयुका की स्थापना की थी। इस क्षेत्र में शोध के लिए विश्वविद्यालयों को जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई, जिससे अच्छे विद्यार्थी तैयार हो सकें। इसी क्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय में आयुका सेंटर फार एस्ट्रोनामी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आइकार्ड) खुलेगा। सेंटर के लिए जल्द ही स्थान चिह्नित कर लिया जाएगा। इस केंद्र के माध्यम से ब्रह्मांड के उद्भव और विकास से संबंधित नए शोध किए जाएंगे। कंप्यूटर को मदद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए साफ्टवेयर विकसित करके गणना की जाएगी। इसकी स्थापना से लवि व आसपास के कालेजों के बी.एससी के विद्यार्थियों एवं आमजन को भी यहां आकर काफी कुछ जानने और सीखने का मौका मिलेगा। इसमें देश के विषय विशेषज्ञ भी यहां आकर विद्यार्थियों से रूबरू होंगे।

गुरुत्वाकर्षण के नए माडलों का भी होगा अध्ययन : रिसर्च सेंटर में आकाश गंगा के सुदूरवर्ती भागों और उससे बाहर ब्रह्मांड के फैलने के विषय में गुरुत्वाकर्षण के नए माडलों का भी अध्ययन होगा। उन

> आइयुका पुणे ने सेंटर फार एस्ट्रोनामी रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आइकार्ड) की स्थापना के लिए लवि को चुना है। इसके माध्यम से गुरुत्वाकर्षण तरंगों, आकाश गंगा के अंदर तारों की रचनाओं से लेकर खगोल विज्ञान के क्षेत्र में शोध किए जाएंगे। इससे हिंद लवि नेटवर्क फार एस्ट्रोनामी रिसर्च वजूद बना दिया गया है।
>
> - प्रो. एमएस वर्मा, अधिष्ठाता शोध, लखनऊ विश्वविद्यालय

गुरुत्वाकर्षण तरंगों के बारे में भी पता लगाया जाएगा जो ब्लैक होल और न्यूट्रान तारों को आपस में टक्कर के परिणाम स्वरूप उत्पन्न होती हैं। अब भारत में भी इन तरंगों के अध्ययन के लिए केंद्र सरकार ने लाइगो इंडिया नाम से प्रोजेक्ट की स्थापना को मंजूरी दी है। लवि का यह सेंटर भी इसी प्रोजेक्ट के साथ मिलकर काम करेगा।

लवि का ताजिकिस्तान के दो विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू

जासं, लखनऊ : लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में ताजिकिस्तान गए प्रतिनिधि मंडल ने ताजिकिस्तान के दो चिकित्सा विश्वविद्यालयों इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे व मेडिकल यूनिवर्सिटी खफलन के साथ महत्वपूर्ण सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय के बीच एक नए युग की शुरुआत करेगा। ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत योग, प्राकृतिक चिकित्सा और वैकल्पिक स्वास्थ्य के आयामों का अध्ययन करेंगे। ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे व मेडिकल यूनिवर्सिटी खफलन के साथ महत्वपूर्ण सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ताजिकिस्तान में लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रो. गुलजोद मोहम्मद शाह कुर्बान अली के बीच चर्चा हुई

चिकित्सा विज्ञान में नई संभावनाओं को जन्म देंगे।

समझौते से ये होंगे फायदे : दोनों विश्वविद्यालय शैक्षिक कार्यक्रमों में सहयोग कर एक दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। अनुसंधान परियोजनाओं में एक दूसरे के साथ ज्ञान साझा करेंगे। छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे। एक दूसरे के छात्रों को अपने यहां अध्ययन करने का मौका देंगे।

मकर संक्रांति उत्सव में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उड़ाई पतंग

जासं • लखनऊ : लवि के संस्कृतिकी की ओर से बुधवार को मकर संक्राति उत्सव का आयोजन परांजपे ग्राउंड में हुआ। इस अवसर पर पतंगबाजी प्रतियोगिता भी हुई, जिसकी शुरुआत प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना ने पतंग उड़ाकर की। उसके बाद छात्रों और अन्य शिक्षकों ने भी इसमें प्रतिभाग किया। पतंगबाजी के साथ-साथ प्रतिभागियों ने मकर संक्रांति से जुड़ी पारंपरिक मिठाइयां भी खाईं।

TOI PAGE 3

LU signs MOUs with 2 Tajik medical universities

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University on Wednesday signed Memorandums of Understanding (MoUs) with two medical universities in Tajikistan -- Avicenna State Medical University, Dushanbe and Medical University Khaflan.

The MOUs aim to promote academic partnership, research initiatives and student exchange programme.

A key focus of the collaboration is the integration of Indian traditions such as yoga, naturopathy and alternative health practices, into the curriculum and research agendas of the Tajik universities.

Alok Kumar Rai, Vice-Chancellor, Lucknow University, said, "In today's educational landscape, interdisciplinary approaches are crucial to addressing global challenges.

This partnership will enhance the ability of medical universities to work collaboratively with other disciplines to meet the need of society."

Gulzoda Mohammad Shah Kurban Ali, the Rector of Tajik State Medical University, said, "Indian traditions in yoga and naturopathy are fascinating and hold immense potential.

This partnership will open new doors for advancement in medical science and healthcare."

LU VC Alok Kumar Rai with officials of Tajik medical varsities

i-NEXT PAGE 5

एलयू-ताजिकिस्तान मेडिकल क्षेत्र में आएंगे साथ

LUCKNOW (15 Jan) : ताजिकिस्तान में एलयू के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी दुशांबे और मेडिकल यूनिवर्सिटी खफलन के साथ एमओयू पर साइन किए. दोनों यूनिवर्सिटी रिसर्च, एजुकेशन और स्टूडेंट्स के आने-जाने पर एक-दूसरे की हेल्प करेंगे. इसको लेकर एलयू के वीसी प्रो. राय का कहना है कि यह समझौता एलयू और ताजिकिस्तान की मेडिकल यूनिवर्सिटी के बीच एक नए एरा की शुरुआत है. हम दोनों विवि के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं. वैश्विक शिक्षा उदार प्रावधानों पर संवाद करती है और वर्तमान शिक्षा के परिवेश में जहां अंतर्विषयिकता एक प्रभावी शैक्षिक आयाम है. मेडिकल यूनिवर्सिटी अन्य डिपार्टमेंट के साथ सहयोग और समन्वय स्थापित करके जनमानस की जरूरतों के मुताबिक काम किया जा सकता है. ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेक्टर प्रो. गुलजोदा मोहम्मद शाह कुर्बान अली ने कहा कि एमओयू भविष्य में मेडिकल के क्षेत्र में नई संभावनाओं को जन्म देगा.

PIONEER PAGE 3

ताजिकिस्तान के विश्वविद्यालयों को योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग देगा एलयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में ताजिकिस्तान गए प्रतिनिधि मंडल ने ताजिकिस्तान के दो चिकित्सा विश्वविद्यालयों इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल युनिवर्सिटी दुशांबे एवं मेडिकल युनिवर्सिटी खफलन के साथ महत्वपूर्ण सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत, दोनों विश्वविद्यालय शैक्षिक सहयोग, अनुसंधान और छात्रों के आदान-प्रदान के क्षेत्र में सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय के बीच एक नए युग की शुरुआत करेगा। हम दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वैश्विक शिक्षा उदार प्रावधानों में सक्षम संवाद करती है और वर्तमान शैक्षिक परिवेश में जहां अंतर्विषयिकता एक प्रभावी शैक्षिक आयाम है। चिकित्सा विश्वविद्यालयों को अन्य संकाय के साथ सहयोग और समन्वय स्थापित करके जनमानस की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य किया जा सकता है। यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय के बीच एक मजबूत और स्थायी संबंध की नींव रखेगा। ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत योग, प्राकृतिक चिकित्सा और वैकल्पिक स्वास्थ्य के आयामों का अध्ययन करेंगे। ज्ञात हो कि ताजिकिस्तान में भारतीय विद्यार्थी चिकित्सा पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर रहे हैं। ताजिक स्टेट मेडिकल युनिवर्सिटी के रेक्टर प्रो गुलजोदा मोहम्मद शाह कुर्बान अली ने कहा भारतीय ज्ञान परंपराएं काफी रोचक और गूढ़ हैं और आज का हमारा समझौता ज्ञापन भविष्य में चिकित्सा विज्ञान में नई संभावनाओं को जन्म देंगे।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि में स्वामी विवेकानंद जयंती व मकर संक्रांति का उत्सव मना

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक संगठन, संस्कृतिकी ने छात्रों के लिए एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता का आयोजन करके 12 जनवरी को आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयंती का स्मरणोत्सव जारी रखा। इसके बाद बुधवार को मकर संक्रांति मनाई गई। दिन की शुरुआत भौतिकी विभाग के प्रो.डीपी प्रधान सभागार में हिंदी और अंग्रेजी दोनों में आयोजित एक तात्कालिक प्रतियोगिता से हुई। मुख्य अतिथि,प्रो.मनुका खन्ना, प्रतिकुलपति,लविवि ने उद्घाटन भाषण दिया। जिसमें समाज में स्वामी विवेकानन्द के अपार योगदान पर प्रकाश डाला गया और उनकी शिक्षाओं से युवाओं को प्रेरणा मिली। उन्होंने आलोचनात्मक सोच और संचार कौशल को निखारने में तात्कालिक प्रतियोगिताओं के महत्व पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि, भौतिकी विभाग के प्रमुख प्रो.ओंकार प्रसाद ने छात्रों को प्रतिस्पर्धा की भावना अपनाने और पूरे दिल से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता के विजेता सान्या सिंह (बीए पांचवें सेमेस्टर) ने पहला स्थान हासिल किया। मानस बाजपेयी (बीए पांचवें सेमेस्टर) ने दूसरा और अनुभव मिश्रा (एमए) ने तीसरा स्थान हासिल किया। मकर संक्रांति का त्योहार मनाने के लिए संस्कृतिकी ने एक जीवंत पतंगबाजी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। लविवि के परजांगे ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में पूरे विश्वविद्यालय समुदाय को उत्सव समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय जो की शैक्षिणिक यात्रा पर विदेश में हैं, ने युवाओं के बीच खुशी, एकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक और उत्सव समारोहों के महत्व पर प्रकाश डालता हुआ संदेश भेजा। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो मनुका खन्ना द्वारा पहली पतंग उड़ाने से हुई, जो रंगीन प्रतियोगिता की शुरुआत का संकेत था। इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि सिखाएगा ताजिकिस्तान के विश्वविद्यालयों को योग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय का दल इन दिनों ताजिकिस्तान की यात्रा पर है, जहां विश्वविद्यालय और ताजिकिस्तान के उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग को लेकर कवायद चल रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने वहां के इब्न ए सीना स्टेट मेडिकल युनिवर्सिटी दुशांबे और मेडिकल यूनिवर्सिटी ख़फलन के साथ योग और प्राकृतिक चिकित्सा में सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

दोनों विश्वविद्यालय शैक्षिक सहयोग, अनुसंधान और छात्रों के आदान-प्रदान में सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि ताजिकिस्तान के मेडिकल विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत योग, प्राकृतिक चिकित्सा और वैकल्पिक स्वास्थ्य के आयामों का अध्ययन करेंगे। ताजिक स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेक्टर प्रो. गुलजोदा मोहम्मद शाह कुर्बान अली ने कहा भारतीय ज्ञान परंपराएं काफी रोचक और गूढ़ हैं।

सहयोग ज्ञापन के मुख्य बिंदु

शैक्षिक सहयोग जिसके अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय शैक्षिक कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे और एक दूसरे के विशेषज्ञता का लाभ उठाएंगे। अनुसंधान के तहत दोनों विश्वविद्यालय अनुसंधान परियोजनाओं में सहयोग करेंगे और एक दूसरे के साथ ज्ञान साझा करेंगे। छात्रों का आदान-प्रदान जिसके अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रमों में सहयोग करेंगे और एक दूसरे के छात्रों को अपने यहां अध्ययन करने का अवसर प्रदान करेंगे।

प्राणि विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं का दल।

प्राणि विज्ञान विभाग के छात्रों का पश्चिम बंगाल टूर खत्म

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के परास्नातक छात्रों का पश्चिम बंगाल का शैक्षिक भ्रमण खत्म हो गया है। डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ. परमजीत सिंह और डॉ. हादिया हुसैन के मार्गदर्शन में छात्रों ने आर्गेनिक मछली पालन सीखा और जीव जंतुओं से संबंधित वैज्ञानिक संस्थान का भ्रमण किया। ओडिशा का भी भ्रमण किया। नंदन कानन में प्राणि उद्यान भुवनेश्वर में जंगल सफारी देखने के अलावा पुरी में जगन्नाथ भगवान, कोणार्क सूर्यमंदिर के दर्शन भी किए।

LOKSATYA PAGE 3

अनुबंध के तहत ताजिकिस्तान के उच्च शिक्षा संस्थानों को गुरुमंत्र देगा एलयू

तैयारी

- विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय मिलकर ज्ञान का आदान प्रदान कर रहे हैं
- योग से पहले भी ज्यादातर ताजिक डॉक्टर अपने मरीजों को योगाभ्यास पर जोर देते हैं

लखनऊ, लोकसंवाद। लखनऊ विश्वविद्यालय ताजिकिस्तान की उच्च शिक्षा को वैश्विक आवश्यकताओं के समकक्ष खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका करने जा रहा है। प्रधानमंत्री की ताजिकिस्तान यात्रा के बाद ताजिक सरकार के आमंत्रण पर लखनऊ विश्वविद्यालय का छह सदस्यीय दल वहां गया है। दल में शामिल कुलपति डॉ. आलोक राय, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. गीतांजली मिश्रा, डॉ. केया चतर्वेद और डॉ. भूपेंद्र सिंह ताजिक शिक्षा के अध्ययन के साथ सांस्कृतिक संबंध के लिए सेतु की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं। वर्तमान में दो दर्जन ताजिक छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय मिलकर ज्ञान के आदान प्रदान के साथ ही सहयोग के नए आयाम खोलने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। राजधानी दुशंबे में लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजबाजोदा फरीदून, ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपकुलपति गफ्फोरजोदा इंतिखोब और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति सफरनफरजोदा ने हस्ताक्षर किए हैं।